महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती

[स्रोत: पी.आई.बी](#)

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रधानमंत्री ने **महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री** को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भारत की स्वतंत्रता, अखंडता एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को याद किया।

महात्मा गांधी

- **प्रारंभिक जीवन: 2 अक्तूबर,1869 को पोरबंदर में जन्मे गांधी ने वर्ष 1882 में कस्तूरबाई से विवाह किया और इंग्लैंड में लॉ की पढ़ाई की (1888-91)। उनका लीगल करियर शीघ्र ही न्याय के प्रति उनके नैतिक खोज के साथ जुड़ गया।**
- **दक्षिण अफ्रीका में अनुभव:** वर्ष 1893 में पीटरमैरिट्ज़बर्ग में नस्लीय अपमान ने अन्याय के विरुद्ध उनके संकल्प को आकार दिया।
  - उन्होंने **नेटाल इंडियन कांग्रेस (1894)** की स्थापना की, **इंडियन ओपिनियन** नामक समाचार पत्र शुरू किया, **फीनिक्स सेटलमेंट (1904)** और **टॉलस्टॉय फार्म (1910)** की स्थापना की, जहाँ उन्होंने **सत्याग्रह** को अहिंसक प्रतिरोध के रूप में विकसित किया।
- **भारत वापसी:** गांधीजी **9 जनवरी, 1915** को भारत लौटे (जिसे अब **प्रवासी भारतीय दिवस** के रूप में मनाया जाता है) और उन्होंने **साबरमती आश्रम (1917)** की स्थापना की। उन्होंने अपनी राजनीतिक सोच की आधारशिला **सरलता, सत्य और आत्मनिर्भरता** पर रखी।
- **प्रमुख आंदोलन:** चंपारण सत्याग्रह (1917), खेड़ा सत्याग्रह (1918) **और** रॉलेट सत्याग्रह (1919) **में उनका नेतृत्व प्रखर रहा। बाद में उन्होंने** असहयोग आंदोलन (1920-22), दांडी मार्च के साथ सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) **और** भारत छोड़ो आंदोलन (1942) **के माध्यम से राष्ट्र का मार्गदर्शन किया।**
- **लेखन और विचार:** गांधी ने अपने विचारों को हिंद स्वराज्य और अपनी आत्मकथा "एन ऑटोबायोग्राफी: द स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ" में अभिव्यक्त किया।
  - उन्होंने खादी और चरखे को आत्मनिर्भरता तथा श्रम की गरिमा के प्रतीक के रूप में बढ़ावा दिया और सामाजिक एवं आर्थिक सुधार को आगे बढ़ाने के लिए ऑल इंडिया स्पिनिर्स एसोसिएशन (1925) तथा हरिजन सेवक संघ (1932) जैसी संस्थाओं की स्थापना की।
- **विरासत:** गांधीजी के अंतिम वर्ष सांप्रदायिक सौहार्द और हरिजनों के उत्थान के लिये समर्पित थे। उनकी हत्या 30 जनवरी, 1948 को कर दी गई।
  - गांधीजी को "राष्ट्रपिता" के रूप में सम्मानित किया जाता है और उनके सत्य एवं अहिंसा के आदर्श आज भी वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक हैं।
  - 2 अक्तूबर को भारत में **गांधी जयंती** तथा विश्व स्तर पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित **अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस** के रूप में मनाया जाता है।

समकालीन पहलों में गांधीवादी दर्शन

पहल	गांधीवादी दर्शन
स्वच्छ भारत मिशन	स्वच्छता ईश्वरत्व के समीप है
स्वयं सहायता समूह (SHG)	सहकारी अर्थव्यवस्था और ज़मीनी स्तर पर सशक्तीकरण
खादी एवं ग्रामोद्योग	स्वदेशी और ग्राम-आधारित उत्पादन
स्वामित्व योजना	ग्राम आत्मनिर्भरता और पंचायती राज
पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (PM JUGA / DAJGUA)	राष्ट्रीय विकास के लिये जनजातीय उन्नति
मनरेगा	गरिमापूर्ण कार्य का अधिकार और समावेशी विकास

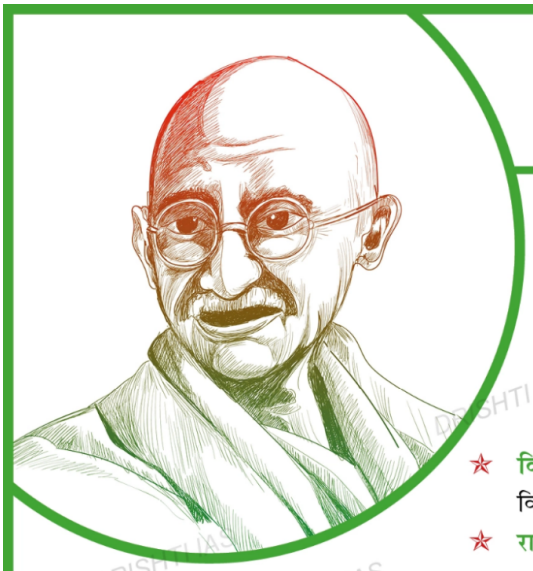

मोहनदास करमचंद गांधी

संक्षिप्त परिचय

- **जन्म:** **2** अक्तूबर, **1869**; पोरबंदर (गुजरात).
  - **2** अक्तूबर को **अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
- **प्रोफाइल:** वकील, राजनीतिज्ञ, सामाजिक कार्यकर्त्ता, लेखक तथा राष्ट्रवादी आंदोलनों के नेतृत्वकर्त्ता।
  - राष्ट्रपिता (सबसे पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने इस नाम से संबोधित किया)।
- **विचारधारा:** अहिंसा, सत्य, ईमानदारी, प्रकृति की देखभाल, करुणा, दलितों के कल्याण आदि के विचारों में विश्वास करते थे।
- **राजनीतिक गुरु:** गोपाल कृष्ण गोखले
- **मृत्यु:** नाथूराम गोडसे द्वारा गोली मारकर हत्या (**30 जनवरी**, **1948**)।
  - **30** जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- नोबेल शांति पुरस्कार के लिये पाँच बार नामित किया गया।

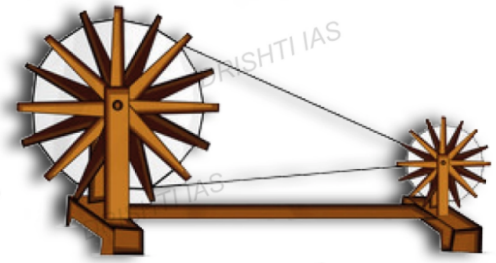

दक्षिण अफ्रीका में गांधी (1893–1915)

- नस्लवादी शासन (मूल अफ्रीकी और भारतीयों के साथ भेदभाव) के खिलाफ सत्याग्रह।
  - दक्षिण अफ्रीका से उनकी वापसी के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष **9** जनवरी को **प्रवासी भारतीय दिवस (PBD)** मनाया जाता है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

- छोटे पैमाने के विभिन्न आंदोलन जैसे- चंपारण सत्याग्रह **(1917)**, प्रथम सविनय अवज्ञा, अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918)- पहली भूख हड़ताल और खेड़ा सत्याग्रह **(1918)**- पहला असहयोग।
- **राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन:** रॉलेट एक्ट के खिलाफ **(1919)**, असहयोग आंदोलन **(1920-22)**, सविनय अवज्ञा आंदोलन **(1930&34)**, भारत छोड़ो आंदोलन **(1942)**।
- **गांधी-इरविन समझौता (1931):** गांधी और लॉर्ड इरविन के बीच जिसने सविनय अवज्ञा की अवधि के अंत को चिह्नित किया।
- **पूना पैक्ट (1932):** गांधी और **बी.आर. अंबेडकर** के बीच; इसने वंचित वर्गों के लिये अलग निर्वाचक मंडल के विचार को छोड़ दिया (सांप्रदायिक पंचाट)।

पुस्तकें

हिंद स्वराज, माय एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथ (आत्मकथा)

साप्ताहिक पत्रिकाएँ

हरिजन, नवजीवन, यंग इंडिया, इंडियन ओपिनियन

गांधी शांति पुरस्कार

भारत द्वारा गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिये दिया जाता है।

उद्धरण

- **"खुशी तब मिलेगी जब आप जो सोचते हैं, जो कहते हैं और जो करते हैं, सामंजस्य में हों।"**
- **"कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता, क्षमा करना शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है।"**
- **"आपको मानवता में विश्वास नहीं खोना चाहिये। मानवता सागर के समान है; यदि सागर की कुछ बूँदें गंदी हैं, तो पूरा सागर गंदा नहीं हो जाता।"**

श्री लाल बहादुर शास्त्री

- **प्रारंभिक जीवन: लाल बहादुर शास्त्री** का जन्म 2 अक्तूबर, 1904 को मुगलसराय, **उत्तर प्रदेश में हुआ था।** वे **महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन (1920)** से बहुत प्रेरित थे।
  - उन्होंने **काशी विद्यापीठ, वाराणसी** में अध्ययन किया, जहाँ उन्हें **"शास्त्री"** की उपाधि मिली, जो बाद में उनके नाम का हिस्सा बन गई।
- **स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका: सविनय अवज्ञा आंदोलन** में सक्रिय रूप से भाग लिया और कई बार गिरफ्तार हुए, उन्होंने **ब्रिटिश जेलों में सात वर्ष से अधिक समय** बिताया।
- **स्वतंत्रता के बाद का राजनीतिक जीवन:** उत्तर प्रदेश में **संसदीय सचिव** बने (1946), बाद में राज्य के गृह मंत्री बने। बाद में उन्होंने **केंद्र सरकार में महत्त्वपूर्ण मंत्रालयों (रेलवे, परिवहन एवं संचार, वाणिज्य एवं उद्योग, गृह मंत्रालय)** का कार्यभार संभाला।
  - उन्हें एक रेल दुर्घटना की नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए **(1956) रेल मंत्री** के पद से **त्यागपत्र** देने के लिये जाना जाता है, जो राजनीतिक

जवाबदेही का एक दुर्लभ कार्य था।

- **नेतृत्व गुण: ईमानदारी, विनिम्रता और कार्यकुशलता** के लिये के लिये प्रशंसित किये गए उन्हें **"Little Dynamo of a Man"** की उपाधि दी गई।
- **प्रधानमंत्रित्व काल:** लाल बहादुर शास्त्री **जवाहरलाल नेहरू** के बाद प्रधानमंत्री बने।
    - प्रधानमंत्री (1964-66) के रूप में शास्त्री जी ने वर्ष 1965 के **भारत-पाक युद्ध** में दृढ़ नेतृत्व का परिचय दिया। उनकी चिरस्थायी विरासत **"जय जवान, जय किसान"** के नारे में निहित है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के दो स्तंभों को रेखांकित करता है।
    - [ताशकंद घोषणापत्र](#) पर हस्ताक्षर करने के कुछ ही समय बाद 11 जनवरी, 1966 को शास्त्री जी की ताशकंद में अचानक मृत्यु हो गई।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

1. अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस कब मनाया जाता है और क्यों?
यह महात्मा गांधी की जयंती, 2 अक्तूबर को मनाया जाता है, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2007 में घोषित किया गया था, जिसका उद्देश्य शांति और अहिंसा के गांधीवादी आदर्शों का प्रसार करना है।

2. भारत में महात्मा गांधी का पहला सफल सत्याग्रह कौन-सा था?
चंपारण सत्याग्रह (1917), बिहार में नील का उत्पादन करने वाले किसानों के शोषण के विरुद्ध किया गया था।

3. लाल बहादुर शास्त्री का प्रसिद्ध नारा क्या था और उसका महत्त्व क्या है?
"जय जवान, जय किसान" (1965), जो राष्ट्रीय रक्षा और खाद्य सुरक्षा के दो स्तंभों का द्योतक है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????

प्रश्न. इनमें से कौन अंग्रेज़ी में अनूदित प्राचीन भारतीय धार्मिक गीतिकाव्य-- 'सॉन्ग्स फ्रॉम प्रिज़न' से संबद्ध हैं? **(2021)**

(a) बाल गंगाधर तिलक

(b) जवाहरलाल नेहरू

(c) मोहनदास करमचंद गांधी

(d) सरोजिनी नायडू

उत्तर: C

प्रश्न. भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: **(2019)**

1. महात्मा गांधी 'गिरमिटिया (इंडेंचर्ड लेबर)' प्रणाली के उन्मूलन में सहायक थे।
2. लॉर्ड चेम्सफोर्ड की 'वॉर कॉन्फ्रेंस' में महात्मा गांधी ने विश्व युद्ध के लिये भारतीयों की भर्ती से संबंधित प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया था।
3. भारत के लोगों द्वारा नमक कानून तोड़े जाने के परिणामस्वरूप, औपनिवेशिक शासकों द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को अवैध घोषित कर दिया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं?

केवल 1 और 2

केवल 1 और 3

केवल 2 और 3

1, 2 और 3

उत्तर: B

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/birth-anniversary-of-mahatma-gandhi-and-shri-lal-bahadur-shastri